SEARCH TRUTH

दैनिक

पारदर्शी ख़बर

सच नही छुपेगा...

RNI. NO-UPHIN/2014/65624



अलीगढ़,बुद्धवार 04 नवम्बर 2026 | वर्ष : 12 | अंक : 269 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपये | डाक पज्जीयन न. एएलजी-118/2018-20 | मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं बार काम...पेज न.8

Email: editorpardarshikhabar@gmail.com | अलीगढ़ सस्करण | ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉग इन करे:- www.pardarshikhabar.com

'पारंपरिक और गैर-पारंपरिक युद्ध के बीच अंतर तेजी से धुंधला हो रहा'; राजनाथ सिंह क्या बोले

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत के आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने की कोशिश के रूप में समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि रक्षा क्षेत्र की जरूरतें बाहरी निर्भरता के कारण न रुकें।दिल्ली रक्षा संवाद में राजनाथ सिंह ने युद्ध में तकनीक की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में सैन्य तैयारियों को तकनीकी तैयारियों से अलग नहीं किया जा सकता।

राजनाथ सिंह ने कहा, जब हम 2047 को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं, तो रक्षा क्षेत्र में हमारा



लक्ष्य महत्वाकांक्षी होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि आज पारंपरिक और गैर-पारंपरिक युद्ध के बीच का अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। दिल्ली स्थित मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए) ने इस संवाद का आयोजन किया था। इसमें रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। देश और विदेश के विशेषज्ञों ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा, उद्योग जगत के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।रक्षा मंत्री ने कहा, आत्मनिर्भरता को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने की कोशिश के रूप में समझा जाना चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है कि हम हर चीज का उत्पादन खुद करें... इसका मतलब यह सुनिश्चित करना है कि रक्षा क्षेत्र की हमारी जरूरी जरूरतें बाहरी निर्भरता के कारण किसी के हाथों में बंधक न बनें। उन्होंने आगाह किया कि सहयोग के बिना आत्मनिर्भरता हमारे तकनीकी दायरे को सीमित कर सकती है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता से देश की अपनी क्षमताएं मजबूत होनी चाहिए।

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा

2 घंटे तक तेज हवाओंझभारी बारिश का अलर्ट; हजारों पेड़-बिजली के पोल गिरे, 30 फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश से आगे बढ़कर तेलंगाना की ओर चला गया है। हालांकि, इसका एक हिस्सा अब भी आंध्र के तट से गुजर रहा है। इसके असर से विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार शाम तक तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मंगलवार सुबह 5:30 बजे तूफान का केंद्र तट पार कर गया।



तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा। भारी बारिश से सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए।

आंध्र प्रदेश के तटीय शहर काकीनाड़ा में भारी बारिश से निचले इलाके डूब गए हैं। सड़कों पर पानी भरा हुआ है।

तूफान के असर से आंध्र प्रदेश के ओंगोल के कई इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में काफी नुकसान हुआ है। निचले इलाकों में पानी भर गया है। तस्वीरों में सड़कों पर गाड़ियां पलटी हुई दिख रही हैं।

तमिलनाडु के कुड्डालोर में मंगलवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। साइक्लोन मुरासु की वजह से भारी बारिश हुई है। कुड्डालोर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने ये ऑर्डर तब जारी किए जब जिले के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

IMD की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, गहरा दबाव उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और दोपहर तक धीरे-धीरे चक्रवाती तूफान मुरासु कमजोर पड़ने की संभावना है। इसकी वजह से 48 घंटों में ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

विशाखापत्तनम मौसम विभाग के निदेशक पीएलएन मूर्ति के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मुरासु मंगलवार सुबह 3:30 से 5:30 बजे के बीच ओंगोल के पास आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गया। फिलहाल यह दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट के पास गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मौजूद है।

मणिपुर में 24,475 अवैध प्रवासियों की पहचान

पूर्व सीएम बीरेन सिंह ने मांगा बायोमीट्रिक डाटा

मणिपुर (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य सरकार से अवैध प्रवासियों के बायोमीट्रिक पंजीकरण की ताजा जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। उनका कहना है कि राज्य के गृह विभाग को नियमित रूप से यह बताना चाहिए कि अब तक कितने अवैध प्रवासियों का बायोमीट्रिक डाटा जुटाया गया है और कितने लोगों की पहचान व सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राजनीति से जुड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और राज्य के लोगों के भविष्य को सुरक्षित रखने से संबंधित है। बीरेन सिंह की यह मांग मिजोरम सरकार की ओर से म्यांमार के शरणार्थियों के बायोमीट्रिक पंजीकरण को लेकर दी गई जानकारी के एक दिन बाद आई है। मिजोरम सरकार ने कथित तौर पर बताया था कि राज्य में शरण लिए म्यांमार के शरणार्थियों का बायोमीट्रिक पंजीकरण अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसका जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने मिजोरम



सरकार की निगरानी व्यवस्था का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों की आवाजाही पर नजर रखना और राज्य के हितों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाना महत्वपूर्ण है।बीरेन सिंह ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 'यह राजनीति का मामला नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, हमारी सीमाओं की रक्षा और अपने लोगों के भविष्य को सुरक्षित रखने से जुड़ा है। मिजोरम सरकार ने अवैध प्रवासियों के प्रवेश पर करीब से नजर रखकर और राज्य के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाकर सतर्कता का महत्व दिखाया है।' उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर के गृह विभाग को भी बायोमीट्रिक डाटा से जुड़ी अद्यतन जानकारी नियमित रूप से जनता के साथ साझा करनी चाहिए।

पुणे को मिली मेट्रो की प्रधानमंत्री मोदी बोले-

पुरानी सरकार रहती तो कई दशक और करना पड़ता इंतजार

पुणे(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की बहुप्रतीक्षित लाइन-3 का उद्घाटन किया। मान-हिंजवडी से शिवाजीनगर तक जाने वाली इस मेट्रो लाइन से पुणे के आईटी हब, प्रमुख व्यावसायिक और प्रशासनिक इलाकों के बीच आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। हालांकि, यात्रियों के लिए मेट्रो सेवाएं चार नवंबर को सुबह छह बजे से शुरू होंगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही। एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चलेः पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो

> 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था, शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं।



हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था, शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज, किसी शहर को दो मुख्य पैमानों पर परखा जाता है, पहला वह शहर कितना प्रतिस्पर्धी है? दूसरा, उसका 'ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स' (जीवन सुगमता सूचकांक) कितना ऊंचा है? मेट्रो परियोजनाएं इन दोनों पैमानों में योगदान देती हैं, जिससे शहर अधिक कार्यकुशल, सुलभ और रहने के लिए बेहतर बनता है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज का दिन प्रो पीपल, प्रो एक्टिव गुड गवर्नेंस का भी उदाहरण है। हमारे देश में पहली मेट्रो 1984 में चली थी। उसके बाद के 30 साल में सिर्फ 248 किमी मेट्रो लाइन बनी। 2014 तक देश में सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो चल रही थी। अगर वही पुरानी सोच चलती, पुरानी सरकार रहती, पुरानी कार्य संस्कृति रहती, तो पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई और दशक लग जाते।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे शहर केवल रहने की जगह नहीं हैं। ये देश की आर्थिक गतिविधि के बड़े केंद्र भी हैं। हमें देश के सैकड़ों छोटे शहरों को ग्रोथ हब भी बनाना है। इसी विजन के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड की स्वीकृति दी गई थी। इस फंड के लिए एक लाख करोड़ रुपये की मदद केंद्र सरकार दे रही है।

'न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ा': शरद पवार गुट ने अदालत के आदेश का किया स्वागत

> भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमित साटम, शहर की महापौर ऋतु तावड़े और अन्य ने एक धर्मनिरपेक्ष त्योहार को सांप्रदायिक मुद्दा बनाने की कोशिश की। हाईकोर्ट के फैसले से संविधान में लोगों का भरोसा बहाल करने में मदद मिलेगी।



मुंबई(एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने मंगलवार को कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश से देश की न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा मजबूत हुआ है। हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को अभिनेत्री दीया मिर्जा का दिवाली संदेश वाला वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया है।क्या है पूरा विवाद?बीएमसी की ओर से दीया मिर्जा का वीडियो हटाए जाने को लेकर विवाद हुआ था। इस बीच एनसीपी (एसपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सचिव क्लाइड क्रैस्टो ने आरोप लगाया कि भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमित साटम, शहर की महापौर ऋतु तावड़े और अन्य लोगों ने सभी की ओर से मनाए जाने वाले एक धर्मनिरपेक्ष त्योहार को सांप्रदायिक मुद्दा बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले से संविधान में लोगों का भरोसा बहाल करने में मदद मिलेगी।

बीएमसी के पर्यावरण के अनुकूल और पटाखा-मुक्त दिवाली अभियान के लिए दीया मिर्जा ने एक वीडियो बनाया था। इस वीडियो को लेकर हुए विवाद पर हाईकोर्ट ने गहरा दुख और नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने बीएमसी को सोमवार को हटाए गए वीडियो को दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया। कुछ भाजपा नेताओं और महापौर ऋतु तावड़े की आपत्तियों के बाद यह वीडियो हटाया गया था।किसकी आपत्ति के बाद हटाया गया था वीडियो? बीएमसी ने भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष अमित साटम की आपत्ति और महापौर ऋतु तावड़े की टिप्पणियों के बाद वीडियो हटाया था। तावड़े ने दीया मिर्जा को कथित तौर पर 'हिंदू विरोधी' बताया था।

शिवराज सिंह बोले-अखिलेश बाबू फरवरी में निपट जाओगे

मोदी भगवान का वरदान, ऐसे नारे लगाइए कि राहुल कांप जाएं

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी में भाजपा ने मंगलवार को लोकतंत्र बचाओ रैली निकाली। लखनऊ और बरेली में 50 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे। हाथ में भाजपा का झंडा और 'लोकतंत्र बचाओ' लिखे पोस्टर लेकर चले।लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राहुल गांधी मोदी को हरा नहीं पा रहे हैं तो षडयंत्र रचने लगे हैं। मैं बता दूं कि मोदी देश के मुकुट



मणि हैं। भगवान का वरदान हैं। उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे नारे लगाइए कि दिल्ली में राहुल कांप जाएं। रक्फ़ के खिलाफ प्रदर्शन पर उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से पूछा कि बताइए जरा, जिसका नाम वोटर लिस्ट में 2 जगह है, उसका नाम एक जगह से कटना चाहिए या नहीं।उन्होंने तंज कसते हुए कहा- बंगाल से लेकर राजस्थान तक हर जगह क्ठउक्र गठबंधन ने हार पाई है। इसलिए अखिलेश बाबू फरवरी में आप भी निपट जाओगे। उधर, बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य हजारों कार्यकर्ताओं के साथ रैली में शामिल हुए।

बेटा जेल में, पाकिस्तान से फोन आया-100 डॉलर भेजो

नई दिल्ली(एजेंसी)। मैं पाकिस्तान से बात कर रहा हूं। कंबोडिया की जेल में आपका बेटा बंद है नङ्क। वहां मेरा बेटा सुल्तान भी बंद है..। सुल्तान का फोन आया था, उसने बताया कि आपके बेटे प्रदीप की तबियत बहुत खराब है। मैं एक नंबर दे रहा हूं, उस पर 100 डॉलर भेज दो। कैदियों को खाना देने वाला आदमी आपके लड़के तक पहुंचा देगा..।अलवर के विजय कुमार वर्मा के पास पाकिस्तान से फोन आया। विजय का बेटा प्रदीप नौकरी के लिए मलेशिया गया था। वहां से एजेंट ने कंबोडिया भेज दिया। साइबर स्कैम करने वाली कंपनी में काम कर रहा था। पुलिस की रेड में पकड़ा गया। 6 महीने से जेल में है। सिर्फ प्रदीप ही नहीं बल्कि भारत के कई राज्यों के लड़के-लड़कियां कंबोडिया की जेल में हैं। केरल के 18, तमिलनाडु के 2 और राजस्थान-यूपी के तमाम लड़के-लड़कियां इसमें शामिल हैं। कुल कितने भारतीय बंद हैं, इसकी सटीक जानकारी सरकार के पास भी नहीं है। नौकरी के लिए जाने वाले लड़केझलड़कियां कैसे जेल पहुंच रहे हैं, वहां क्या हो रहा है,प्रदीप 30 जून, 2025 को नौकरी के लिए मलेशिया गया था।



योगी ने 1.89 करोड़ महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर दिया

बोले- एजेंसी जाइए, कोई पैसा नहीं मांगेगा, 650 रुपए बच गए, उनसे मिठाई खाइएगा

लखनऊ(एजेंसी)। सीएम योगी ने मंगलवार को उज्ज्वला योजना की 1.89 करोड़ महिला लाभार्थियों को दिवाली का तोहफा दिया। लोकभवन में मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर बांटा। सीएम ने कहा- बाजार में एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत लगभग 983.45 रुपए है। इसमें से मोदी सरकार 335.40 रुपए की सब्सिडी पहले ही देती है। आम तौर पर उपभोक्ता को जेब से 648.55 रुपये खर्च करने पड़ते हैं।योगी ने कहा, 'दीपावली और होली पर हमने वादा किया था कि हम बहनों को मुफ्त सिलेंडर देंगे। दीपावली पर आपके 648.55 रुपए का भुगतान राज्य सरकार ने सीधे गैस कंपनियों को कर दिया है। अब आपको खाली सिलेंडर लेकर गैस एजेंसी जाना है, वहां कोई भी आपसे एक रुपया नहीं मांगेगा।सीएम ने कहा- 650 रुपये अब महिलाओं की जेब में बचेंगे, उससे वे अपने बच्चों के लिए दीपावली की मिठाइयां, घर के लिए दीये और पूजा का सामान खुशी-खुशी खरीद सकती हैं।पूर्ववर्ती सरकारों (खासकर कांग्रेस कार्यकाल) पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा- 2014 से पहले देश में रसोई गैस का एक कनेक्शन पाना किसी पहाड़ खोदने जैसा काम था। एक कनेक्शन के लिए लोग 25,000 से 50,000 रुपए तक ब्लैक में देने को मजबूर थे। नेताओं



और अफसरों के चक्कर काटने पड़ते थे। 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री मोदी ने यूपी के बलिया जिले से ही 'उज्ज्वला योजना' की शुरूआत की थी। मोदीजी ने माताओं-बहनों के चूल्हे के धुएं से होने वाले आंसुओं को देखा और तय किया कि हर गरीब घर तक मुफ्त गैस कनेक्शन पहुंचेगा। आज उसी का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश के करोड़ों घरों में धुआंमुक्त रसोई है।'वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट गवाह, 46 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए'सीएम योगी ने हाल ही में आई वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा- 2014 के पहले देश में आए दिन कॉमनवेल्थ घोटाला, 2ऋ घोटाला और कोल घोटाला सुनने को मिलता था। नौजवान बेरोजगार थे, किसान परेशान थे और गरीब भूख से तंग आ चुके थे। लेकिन 2014 के बाद देश में सुशासन आया। वर्ल्ड बैंक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 46 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे (BPL) से उबरकर एक सामान्य और खुशहाल जिंदगी जीने में सक्षम हुए हैं।यूपी की कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले और आज के माहौल की तुलना की-1. सुरक्षा का माहौलः सीएम ने कहा कि 2017 से पहले त्योहारों के आते ही उपद्रव, दंगे और कर्फ्यू का डर सताने लगता था। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं और व्यापारी खौफ में रहते थे। बाजार सुनसान हो जाते थे। 2. आज की तस्वीरः आज दीपावली के बाजार पूरी तरह गुलजार हैं। सीएम ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'आज अगर कोई राह चलती बेटी या बहन को छेड़ेगा, तो उसे पता है कि उसका रास्ता सीधे जहन्नुम की तरफ जाता है। अब न दंगा होगा, न कर्फ्यू लगेगा।'

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलिकॉप्टर टकराए

नेपाल (एजेंसी)। एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरूआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे।

हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं। नेपाल में पहाड़-घाटियां, बदलता मौसम, जोखिम भरे रनवे विमान या हेलिकॉप्टर हादसे की मुख्य वजह हैं।नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक हेलिकॉप्टर लुकला से आ रहा था, जबकि दूसरा एवरेस्ट बेस कैंप के पास गोरक्षेप की तरफ से लौट रहा था। दोनों अलग-अलग दिशाओं से एक ही जगह उतरने की कोशिश कर रहे थे। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, हेलीपैड पर बर्फ जमी होने के कारण भी यह स्थिति बनी



हो सकती है। हालांकि, हादसे की असली वजह की पुष्टि नहीं हुई है। शैलेश को प्रभु हेलिकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू कर काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक पर्यटक का शव लुकला के अस्पताल ले जाया गया। दोनों हेलिकॉप्टरों के पायलटों की चोटों को लेकर शुरूआती रिपोर्टों में अलग-अलग जानकारी सामने आई है। फेरीचे एवरेस्ट क्षेत्र में स्थित है। यहां आने-जाने के लिए हेलिकॉप्टर सेवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। हादसे के समय दोनों हेलिकॉप्टरों में कुल कितने लोग सवार थे, यह अभी साफ नहीं है। टक्कर की वजह की भी जांच की जा रही है।फेरीचे हेलीपैड समुद्र तल से करीब 4,371 मीटर (14,340 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। यह नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में हेलिकॉप्टर सर्विस का सेंटर है।

यहां से पर्वतारोहियों और ट्रेकिंग पर आने वाले पर्यटकों को मदद पहुंचाई जाती है। खासतौर पर ऊंचाई के कारण तबीयत बिगड़ने, सांस लेने में परेशानी होने या किसी दुर्घटना में घायल होने पर लोगों को हेलिकॉप्टर से निचले इलाकों या अस्पतालों तक पहुंचाया जाता है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में 30 अक्टूबर को बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था।



कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है।

अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है



यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं ; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस प्रेक्षाइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।



फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

केबिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालंकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।



वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफकिट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10, 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर





एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।

एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।

अलीगढ़ 3

दैनिक पारदर्शी खबर

अलीगढ़,बुद्धवार 04 नवम्बर 2026 | www.pardarshikhabar.com

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 2 हजार लीटर तेल सीज, 24 किलो मिठाई नष्ट

फिरोजाबाद। दीपावली के त्योहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद में विशेष अभियान चलाते हुए छापेमारी की। मंगलवार को शिकोहाबाद, अशफाबाद और गाजीपुर-मटसेना रोड पर की गई कार्रवाई के दौरान विभागीय टीमों ने करीब दो हजार लीटर तेल सीज किया, जबकि 24 किलोग्राम मिठाई मौके पर नष्ट कराई। इसके साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के सात नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए।

एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फहरा राजीव एकेडमी फॉर फामेर्सी का परचम

मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर फामेर्सी, मथुरा के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा, अभिनय कौशल और सामाजिक जागरूकता का प्रभावशाली परिचय देते हुए नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फामेर्सी सप्ताह के उपलक्ष्य में एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित इस प्रतियोगिता में मिली सफलता से संस्थान का गौरव बढ़ा है।

फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) तथा वेस्टर्न उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली स्टेट फामेर्सी इंस्टीट्यूट्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

यातायात सुरक्षा माह शुरू, बिना हेलमेट वाहन चला रहे लोगों को पहनाए हेलमेट

गोरखपुर, एजेंसी। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करने के उद्देश्य से सोमवार को यातायात सुरक्षा माह-2026 का शुभारंभ किया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक एस चनप्पा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अभियान की शुरुआत करते हुए वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे चालकों को हेलमेट पहनाकर सुरक्षित वाहन चलाने का संदेश दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की। वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा में गाड़ी चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने और यातायात संकेतों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान इंटरसेप्टर वाहन के माध्यम से भी वाहन चालकों को तेज गति से वाहन चलाने के खतरों के बारे में बताया गया। उन्हें निर्धारित गति सीमा का पालन करने और ओवरस्पीडिंग से बचने की सलाह दी गई। पुलिस का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ ही सड़क हादसों में कमी लाना है। यातायात सुरक्षा माह के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और अन्य स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने तथा अपनी सुरक्षा के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखने की अपील की। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नगर निमिष पाटील, पुलिस अधीक्षक यातायात अमित श्रीवास्तव, सहायक पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार एएस और यातायात पुलिस के कर्मचारी मौजूद रहे।

नवंबर की शुरुआत में ही दिसंबर सा कोहरा, वाहनों के लाइट जलाकर निकले लोग

गोरखपुर, एजेंसी। मौसम के बदले मिजाज ने सोमवार की सुबह लोगों को हैरान कर दिया। नवंबर के शुरुआत में ही शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक घना कोहरा छा गया। सुबह के समय दृश्यता कम होने से लोगों को आवागमन में भी परेशानी हुई। लोग वाहनों की हेडलाइट जलाकर निकलते दिखाई पड़े। आमतौर पर दिसंबर के मध्य में दिखाई देने वाला नजारा नवंबर के दूसरे दिन ही देखने को मिला। अचानक बढ़ी ठंड और कोहरे ने लोगों को सर्दी का अहसास करा दिया। दरअसल, चक्रवाती तूफान अर्नब के असर से पिछले दिनों जिले में लगातार बारिश हुई थी। इसके बाद सोमवार की सुबह मौसम ने एक बार फिर करवट ली और पूरा जिला कोहरे की आगोश में नजर आया। मौसम वैज्ञानिक संतोष कुमार सिंह अनुसार, पिछले तीन दिनों से बारिश और बादलों के कारण वातावरण के निचले हिस्से में नमी की मात्रा काफी बढ़ गई थी। बारिश के बाद आसमान साफ होने और रात में तापमान में गिरावट से यह नमी संघनित होकर कोहरे के रूप में दिखाई दी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक था। हवा में अधिकतम आर्द्रता 94 और न्यूनतम 59 प्रतिशत दर्ज की गई।

धान खरीद शुरू, पहले दिन 93 क्विंटल की खरीद

गोरखपुर, एजेंसी। जिले में धान खरीद की शुरुआत हो गई है। पहले दिन सोमवार को तीन क्रय केंद्रों से कुल 93 क्विंटल धान की खरीद की गई। हालांकि, जनपद में बनाए गए 161 क्रय केंद्रों में से अधिकतर पर किसान धान लेकर नहीं पहुंचे। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अरविंद कुमार दुबे ने बताया कि धान खरीद एक नवंबर से शुरू है। यह 28 फरवरी तक चलेगी। सरकार का लक्ष्य है कि जो भी किसान सरकारी क्रय एजेंसियों पर अपना धान बेचना चाहते हैं, उन्हें उचित मूल्य मिले। जिले में धान खरीद का कुल लक्ष्य 1.90 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। एक नवंबर को रविवार होने के कारण खरीद शुरू नहीं हो सकी थी। सोमवार को गोला, सोनबरसा मंडी और पिपरौली स्थित क्रय केंद्रों पर किसानों से धान खरीदा गया। सरकार ने धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। ग्रेड वन धान के लिए किसानों को 2461 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान किया जाएगा। किसानों को उनके धान का मूल्य सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में मिलेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिले। **पंजीकरण प्रक्रिया और शर्तें** -धान बेचने के इच्छुक किसानों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। बिना पंजीकरण के धान की खरीद नहीं की जाएगी। किसान अपना पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से करा सकते हैं।

नरौरा परमाणु केंद्र के 30 किमी दायरे में होगा आहार सर्वे

अलीगढ़ , एजेंसी। बुलंदशहर स्थित नरौरा परमाणु केंद्र के आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य और खानपान की स्थिति का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा। इसके लिए 10 किलोमीटर के दायरे में स्वास्थ्य सर्वेक्षण और 30 किलोमीटर के क्षेत्र में आहार एवं पेयजल की खपत का अध्ययन होगा।

इस संबंध में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) और न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के नरौरा परमाणु केंद्र के बीच समझौता हुआ है। स्वास्थ्य सर्वेक्षण के तहत परमाणु केंद्र के 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले करीब 2.20 लाख लोगों में से 8,796 परिवारों के 43,983 लोगों को शामिल करने का प्रस्ताव है।

इसमें लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जीवनशैली, चिकित्सा इतिहास, प्रजनन स्वास्थ्य और विभिन्न चिकित्सकीय मानकों की जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा पात्र लोगों में मुंह और स्तन कैंसर की जांच भी होगी। यह अध्ययन जेएन मेडिकल कॉलेज का सामुदायिक चिकित्सा विभाग करेगा। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान एएमयू की कुलपति प्रो. नईमा खातून, कुलसचिव प्रो. आसिम जफर, नरौरा परमाणु केंद्र के स्टेशन निदेशक अमरनाथ ठाकुर, मुख्य अन्वेषक प्रो. मोहम्मद अतहर अंसारी और सह-मुख्य अन्वेषक डॉ. अली जाफर आब्दी मौजूद रहे।



तीन मौसम में होगा आहार का अध्ययन

परियोजना के दूसरे हिस्से में परमाणु केंद्र के 30 किलोमीटर के दायरे में रहने वाली करीब 1.99 लाख आबादी का आहार सर्वेक्षण किया जाएगा। यह सर्वे गर्मी, मानसून और सर्दी में तीन चरणों में होगा। इसमें परिवारों के भोजन और पेयजल की खपत का आकलन किया जाएगा। आयु, लिंग और भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर लोगों के आहार सेवन का आंकड़ा तैयार होगा। इससे भोजन और पेयजल के माध्यम से शरीर में पहुंचने वाली विकिरण की मात्रा का आकलन करने में वैज्ञानिक मदद मिलेगी।

इस तरह की शोध परियोजनाएं यूनिवर्सिटी की वैज्ञानिक और शैक्षणिक विशेषज्ञता को सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान में उपयोग करने का अवसर देती हैं। जेएन मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रयासों की सराहना करती हूं।

-प्रो. नईमा खातून, कुलपति, एएमयू

नरौरा परमाणु केंद्र के आसपास रहने वाली आबादी के स्वास्थ्य और खानपान से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी जुटाने के लिए व्यवस्थित वैज्ञानिक अध्ययन जरूरी है। यह परियोजना 16 महीने में पूरी की जाएगी। स्वास्थ्य और आहार सर्वेक्षण की अलग-अलग तकनीकी रिपोर्ट तैयार होंगी। अध्ययन शुरू करने से पहले आवश्यक नैतिक स्वीकृति ली जाएगी।

-अमरनाथ ठाकुर, स्टेशन निदेशक, नरौरा परमाणु केंद्र



बाबा मनकामेश्वर ने ओढ़ा गर्म लिबास, मंदिरों में बदलेगा ठाकुरजी का पहनावा और दिनचर्या

आगरा, एजेंसी। सर्दी की दस्तक के साथ ही शहर के मंदिरों में भगवान की सेवा, श्रृंगार और पूजा की दिनचर्या में बदलाव शुरू हो गया है। रावतपाड़ा स्थित मनःकामेश्वर महादेव मंदिर में नवरात्र के बाद से ही बाबा मनःकामेश्वर नाथ को गर्म पोशाक ओढ़ाना शुरू कर दिया गया है। मठ प्रशासक हरिहर पुरी ने बताया कि इत्र और भोग में भी मौसम के अनुरूप बदलाव किया गया है। खस की जगह हिना के इत्र का इस्तेमाल हो रहा है और भोग में मिल्क केक अर्पित किया जा रहा है। दिवाली के बाद बाबा को कंबल भी ओढ़ाया जाएगा। नवरात्र से ही बाबा मनकामेश्वर नाथ की शीतकालीन सेवा शुरू कर दी गई है। पुष्टिमार्गीय प्राचीन मथुराधीश मंदिर के सेवायत जुगल किशोर श्रोत्रिय ने बताया कि देवउठनी एकादशी से ठाकुरजी की शीतकालीन सेवा शुरू होगी। उन्हें ऊनी पोशाक धारण कराई जाएगी और भोग में मेवे के लड्डू, पंच मेवा का भोग व अधोटा दूध अर्पित किए जाएंगे। सर्दी के अनुसार पूजा-पाठ और सेवा की समय-सारणी भी बदली जाएगी। पुष्टिमार्गीय प्रेम निधि मंदिर के सेवायत सुनीत गोस्वामी ने बताया कि एकादशी से ठाकुरजी की दिनचर्या में बदलाव होगा। सुबह छह बजे होने वाली पूजा अब सात बजे होगी। रात का शयन साढ़े नौ बजे के बजाय रात नौ बजे कराया जाएगा। दोपहर में पट बंद होने का समय भी सुबह 11 बजे से बढ़ाकर 12 बजे किया जाएगा। मौसम के अनुसार ठाकुरजी के वस्त्र और भोग की व्यवस्था होगी। कैलाश महादेव मंदिर के पुजारी महेंद्र गौरव गिरि ने बताया कि दिवाली के बाद मंदिर में पूजा-पाठ की दिनचर्या बदल जाएगी। सर्दी के मौसम को देखते हुए नियमित पूजा और दर्शन के समय में परिवर्तन किया जाएगा। मंदिरों में ऋतु परिवर्तन के साथ भगवान के पहनावे, खानपान और सेवा के समय में बदलाव की परंपरा है।

जिस खेल के लिए पूरे गांव ने किया मना, उसी में बिटिया ने लगाया ऐसा दांव

मथुरा, एजेंसी। लगभग दस साल पहले 16 वर्षीय एक किशोरी के पिता ने कुटुंब के लोगों को बुलाकर कहा कि उनकी बेटी अब पहलवानी की राह पर चल रही है। वह कुश्ती में देश का नाम रोशन करना चाहती है। आशीर्वाद दीजिए। इस पर एक बुजुर्ग उठ खड़े हुए। कंधे पर अपनी चादर रखकर बोले कि यह खेल छोरियों का नहीं है। ज्यादा चक्कर में ना पड़। बुजुर्गवार तो यह कहकर चले गए पर ये शब्द उस छोटी पहलवान के दिमाग में हथौड़े की तरह बजते रहे। तब तक... जब तक कि उसने जीत की राह पर कदम नहीं रख दिए। पिता ने भी जिद जिद ठानी कि अब नहीं किसी ने पूछना है और इस बेटी ने पूरे देश का नाम रोशन कर दिया। बात कर रहे हैं कजाकिस्तान में हुई विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली नीलम सिरोही की। पांच फुट से भी कम हाइट वाली नीलम ने लगभग साढ़े पांच फुट लंबी जेनेप बायोनोवा को उसी के देश में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। फाइनल में वह जापान की दिग्गज पहलवान युई सुसाकी से हार जरूर गई लेकिन उन्होंने इस प्रतियोगिता में अपनी अलग छाप छोड़ी। नीलम ने बताया कि यह राह आसान नहीं रही।



शुरू में अड़ोस-पड़ोस एवं कुटुंब के लोगों ने उनके इस खेल पर एतराज जताया पर उनके पिता कुंवरपाल सिंह ने उन्हें पूरा सपोर्ट किया।

पूरे परिवार का मिला साथ -मां नीलम ने उनकी खुराक से लेकर अन्य सभी पूरी जिम्मेदारी उठाई और आज उन्हीं की बदौलत वे इस मुकाम तक पहुंचीं। नीलम बताती हैं, %जब मैं एशियन गेम्स के ट्रायल में ही हार गई और यह प्रतियोगिता नहीं खेल पाई तो अपने कमरे में जाकर फूट-फूट कर रोई। उस समय परिजन और साथियों ने कहा कि चिंता मत कर, हो सकता है विश्व चैंपियनशिप तेरा इंतजार कर रही हो।% इस पर उन्होंने खुद को संभाला और तगड़ी तैयारी की। एशियन गेम्स में कोई मेडल बिना जीते ही उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में अपनी धाक जमा दी।

भर आई पिता की आंखें -बातचीत के दौरान नीलम के पिता कुंवरपाल सिंह की आंखें भर आईं। रूंधे गले से उन्होंने कहा कि जब नीलम छोटी थी तभी अपने से बड़ों को पटखनी देती थी। तभी से उन्होंने सपना देखा था जो अब फलीभूत हो रहा है। जिला कुश्ती संघ के महासचिव जर्नादन शर्मा ने भी नीलम की इस सफलता को उसकी कड़ी मेहनत का परिणाम बताया।

छोटी बहन भी इसी राह पर -नीलम की छोटी बहन चंचल सिरोही भी नीलम की ही राह पर है। वह राष्ट्रीय स्तर की पहलवान है। दोनों बहनें 50 किग्रा भारवर्ग में खेलती हैं। चंचल कहती हैं कि नीलम की सफलता उनके लिए प्रेरणा का काम करेगी। चंचल इस समय यूपी पुलिस हेडकांस्टेबल है। नीलम रेलवे में जूनियर क्लर्क हैं लेकिन उनका चयन यूपी पुलिस में उप निरीक्षक पद पर भी हो गया है। उनका एक भाई आर्मी में बॉक्सिंग खिलाड़ी हैं और दूसरे भाई एक सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर। पिता किसान होने के साथ-साथ दूरसंचार विभाग में हैं।

नगर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में महाऊरू यूपीएस के खिलाड़ियों का दबदबा

अलीगढ़ । नगर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में महाऊरू यूपीएस के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। बालक और बालिका वर्ग की दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक सहित अन्य स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान किया।

पूर्व माध्यमिक बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में यूपीएस रेलवे रोड की मोनी, 200 मीटर में यूपीएस महाऊरू की काजल, 400 मीटर में यूपीएस महाऊरू की इष्टा और 600 मीटर दौड़ में इसी विद्यालय की भारती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में यूपीएस महाऊरू की दुर्गा, चक्का फेंक में यूपीएस रेलवे रोड की शिशा और गोला फेंक में इसी विद्यालय की मोनी ने बाजी मारी।

बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में यूपीएस महाऊरू के प्रोजेंद्र, 200 मीटर में शिवा, 400 मीटर में अमित और 600 मीटर में विष्णु प्रथम रहे। लंबी कूद और गोला फेंक में भी यूपीएस महाऊरू के अमित ने पहला स्थान हासिल किया। कबड्डी में यूपीएस महाऊरू की टीम ने बाजी मारी, जबकि लकड़ी फेंक प्रतियोगिता में भी अमित प्रथम रहे।



प्रतियोगिता का उद्घाटन डीएवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. विपिन कुमार वार्ष्णेय ने किया। विशिष्ट अतिथि कैलाश रावत और जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह रहे। संचालन जिला व्यायाम शिक्षक सुशील कुमार शर्मा, नगर क्षेत्र खेल प्रभारी अजय पाल सिंह, एआरपी फहमीना मुईन, एआरपी इकबाल आदि मौजूद रहे।

राजस्थान से खपाया जा रहा मिलावटी दूध, पनीर और खोआ

आगरा। दिवाली पर राजस्थान से मिलावटी-नकली दूध, पनीर और खोआ लाकर शहर में खपाया जा रहा है। खाद्य विभाग इस साल करीब 10 हजार किलो से अधिक खोआ, पनीर और नकली दूध नष्ट करा चुका है। टीम ने अब आगरा से जुड़े राजस्थान के जिलों पर टीम मुस्तैद की है। रविवार को खाद्य विभाग की टीम ने बमरौली कटारा और शमसाबाद रोड पर 940 किलो मिलावटी खोआ व पनीर पकड़ा। यह सामग्री धौलपुर से आगरा की विभिन्न डेयरियों में खपाने के लिए लाई जा रही थी। विभाग ने इन डेयरियों की सूची तैयार कर जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा, धौलपुर और राजाखेड़ा सीमा पर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वितीय महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि पहले भी धौलपुर से मिलावटी खाद्य सामग्री पकड़ी जा चुकी है, जिसकी सूचना वहां के स्थानीय विभाग को देकर कार्रवाई कराई गई है। सीमावर्ती इलाकों और डेयरियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

आईजीआरएस की गलत रिपोर्ट पर भड़के सीएम योगी, अधिकारियों को कार्रवाई के दिए निर्देश

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। कुछ लोगों ने आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) पोर्टल पर गलत रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत की जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई। अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।



सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे - मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में समस्या सुनते हुए लोगों को भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान देकर समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराया जाए।

उधर चलो, नहीं तो चोट लग जाएगी -गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गोवंश के प्रति स्नेहभाव देखने को मिला। गोसेवा के दौरान कई गोवंश सीएम का स्नेहिल सानिध्य पाने को उतावले होने लगे तो वह उन्हें प्यार से समझाते हुए बोल पड़े, %चलो-चलो, उधर चलो, नहीं तो चोट लग जाएगी।% यह पुकार सुनते ही गोवंश दूसरी तरफ आ गए जहां मुख्यमंत्री ने उन्हें अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार प्रातः काल सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे। गोशाला में सीएम ने गोवंश खूब दुलारा और अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया।

आसमान में ऑपरेशन सिंदूर, जमीन पर खिलेगा लेमन ट्री

अलीगढ़ , एजेंसी। इस दिवाली आसमान में सिर्फ रंग-बिरंगी रोशनी ही नहीं बिखरेगी, बल्कि आतिशबाजी के जरिये ऑपरेशन सिंदूर का नजारा भी देखने को मिलेगा। जमीन पर पटाखा फूटते ही नींबू का पेड़ खिलने जैसा दृश्य बनेगा तो कहीं हवा में पैराशूट खुलता नजर आएगा।

अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में सजे आतिशबाजी बाजार में इस बार ऐसे ही अनोखे पटाखे लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। प्रशासन ने भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खुले मैदान में 300 से अधिक दुकानों को अलग-अलग पॉकेट में व्यवस्थित कराया है। आतिशबाजी विक्रेता उमेश गौड़ बताते हैं कि इस बार ऑपरेशन सिंदूर नाम से 240 शॉट वाला विशेष पैकेज आया है। इससे आसमान में काफी ऊंचाई पर जाकर रंगीन आतिशबाजी होती है। इसे देश के सैनिकों के शौर्य को समर्पित बताया जा रहा है। इसके अलावा दो हजार वाट का फाउंटेन भी आकर्षण का केंद्र है, जो तेज रोशनी के साथ फव्वारे जैसा दृश्य बनाता है। सिलिंडर अनार से अलग-अलग रंगों की चिंगारियां और रोशनी के फव्वारे निकलेंगे।

नींबू का पेड़ और पॉपकॉर्न का धमाका -इस बार आतिशबाजी के नाम भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। लेमन ट्री पटाखे में विस्फोट के बाद नींबू के पेड़ जैसी आकृति बनने और नींबू के आकार जैसे चमकते अंगारे गिरने का दृश्य दिखाई देता है। वहीं, पॉपकॉर्न नाम की आतिशबाजी में फूटते हुए पॉपकॉर्न जैसा नजारा बनता है। पैराशूट आतिशबाजी में विस्फोट के बाद हवा में पैराशूट खुलने का दृश्य भी खास आकर्षण है।

15 मिनट तक चलेगी पटाखों की लड़ियां : आतिशबाजी विक्रेता कमल वार्ष्णेय के मुताबिक, इस बार लंबी अवधि तक चलने वाली पटाखों की लड़ियां भी बाजार में उपलब्ध हैं। कुछ लड़ियां एक बार जलाने पर करीब 15 मिनट तक चलने का दावा करती हैं। इसके अलावा हाथ से चलाने वाला कोल्ड पायरो भी आया है।

बोर्ड परीक्षा... मुश्किलों भरी डगर पर इम्तिहान लेगा सफर

कानपुर, एजेंसी। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के सामने इस बार केंद्र तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन सकता है। किसी विद्यालय के विद्यार्थियों को 12 तो किसी को 20 किलोमीटर तक दूरी तय कर परीक्षा देने जाना होगा। स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों का कहना है कि शहर में मेट्रो निर्माण के चलते जगह-जगह खोदाई, यातायात का दबाव और जाम की समस्या बनी हुई है। ऐसे में चिंता है कि लंबी दूरी तय करने के चक्कर में कहीं विद्यार्थियों की परीक्षा प्रभावित न हो जाए। फिलहाल प्रस्तावित प्रथम सूची पर 27 और 28 अक्तूबर को 93 स्कूलों ने आपत्ति जताई है।

20 किलोमीटर दूर परीक्षा केंद्र, मेट्रो निर्माण से बढ़ी परेशानी -नौबस्ता स्थित योगी इंटर कॉलेज के प्रबंधक ने प्रस्तावित केंद्रों पर आपत्ति दर्ज कराई है। विद्यालय के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के केंद्र क्रमशः हरसहाय जगदंबा सहाय इंटर कॉलेज पीरोड और श्री एनके इंटर कॉलेज सिविल लाइंस में बनाए गए हैं। प्रबंधन के अनुसार केंद्रों की दूरी करीब 12 से 20 किलोमीटर तक है। मेट्रो निर्माण के चलते शहर का यातायात पहले से प्रभावित है। ऐसे में विद्यार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने में परेशानी हो सकती है। दुर्घटना की आशंका भी बनी रहेगी।

पहली बार परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की बढ़ी चिंता - गोविंदनगर स्थित स्कॉलर्स प्ले वे बालिका इंटर कॉलेज ने भी केंद्र की दूरी को लेकर आपत्ति जताई है। विद्यालय के हाईस्कूल विद्यार्थियों का केंद्र 15 किलोमीटर दूर सेन पश्चिम पारा स्थित श्री हर गोपाल इंटर कॉलेज में बनाया गया है। प्रबंधन का कहना है कि हाईस्कूल के विद्यार्थी पहली बार बोर्ड परीक्षा देंगे। इतनी दूर केंद्र तक पहुंचना उनके लिए मुश्किल होगा। अभिभावकों और छात्राओं ने भी केंद्र दो से तीन किलोमीटर के दायरे में बनाने की मांग की है।

हाईवे और शहर के व्यस्त रास्तों से गुजरेंगे परीक्षार्थी - मोतीलाल मेमोरियल इंटर कॉलेज केशवपुरम ने भी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के परीक्षा केंद्र बदलने की मांग की है। प्रधानाचार्य राजकुमार कुशवाहा के मुताबिक हाईस्कूल के विद्यार्थियों को जीटी रोड और हाईवे से होकर परीक्षा केंद्र पहुंचना पड़ेगा, जबकि इंटर के विद्यार्थियों को शहर के व्यस्त मुख्य मार्गों से गुजरना होगा। अधिक दूरी और यातायात के दबाव के कारण समय पर पहुंचने में दिक्कत हो सकती है।

पांच विद्यार्थियों के लिए 12 से 13 किलोमीटर का सफर - अशोकनगर स्थित श्री वासुदेव मिश्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के हाईस्कूल के पांच विद्यार्थियों का केंद्र 12 से 13 किलोमीटर दूर कृष्णानगर स्थित श्री नागर जी विद्यालय इंटर कॉलेज में बनाया गया है। कार्यवाहक प्रधानाचार्य ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि कम उम्र के विद्यार्थियों को सुबह की पाली में इतनी दूर पहुंचने में परेशानी होगी।

87,846 परीक्षार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा

यूपी बोर्ड की वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए जिले में 116 परीक्षा केंद्रों की अंतरिम सूची जारी की गई है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 10 केंद्र कम किए गए हैं। सूची में 17 नए इंटर कॉलेजों को केंद्र बनाने में वरीयता दी गई है। जिले में हाईस्कूल के 46,013 और इंटरमीडिएट के 41,833 समेत कुल 87,846 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। बोर्ड परीक्षा पांच से 24 फरवरी 2027 तक दो पालियों में प्रस्तावित है। केंद्रों की सूची जारी होने के बाद विद्यालयों से आपत्तियां मांगी गई हैं। जिला स्तरीय समिति इन पर विचार कर रही है। इनके निस्तारण के बाद परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

- प्रवीण कुमार तिवारी, डीआईओएस

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में सप्ताहांत के दौरान हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार लोग मोटरसाइकिल चला रहे थे और तीन कार चला रहे थे। रविवार शाम मेलबर्न के ब्राइटन ईस्ट इलाके में कार और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक और बाइक सवार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार एक बच्चा मामूली रूप से घायल हुआ। इससे पहले शनिवार को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में एक वाहन की टक्कर से 75 साल की महिला की मौत हो गई थी। वहीं, जिलॉन्ग के पास ई-बाइक और कार की टक्कर में दो किशोर घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई गई है।

नेपाल: बर्फबारी में फंसे छह भारतीय पर्यटकों का रेस्क्यू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क इलाके में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी एक नवंबर से संपर्क से बाहर थे। पर्यटकों को निजी हेलीकॉप्टर की मदद से निकाला गया। फिलहाल सभी का डोल्पा जिले के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर है। ये पर्यटक शे-फोक्सुंडो झील घूमने गए थे। लौटते समय भारी बर्फबारी के कारण नुमला और वागला दर्रे में फंस गए। खराब मौसम के चलते रविवार को सेना का हेलीकॉप्टर भी उन्हें बचाने में नाकाम रहा था। प्रशासन ने पहले ही इलाके में भारी बर्फबारी को देखते हुए पर्यटकों को वहां न जाने की चेतावनी दी थी।

'बांग्लादेशी कपड़ा श्रमिकों का प्रदर्शन, कारखाने बंद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कपड़े बनाने वाले श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद सरकार ने वेतन की समीक्षा के लिए वेतन बोर्ड के गठन का एलान किया है। न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हो रहे इन प्रदर्शनों के चलते देश भर में 500 से अधिक कारखाने बंद करने पड़े हैं, और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। यह विवाद उस उद्योग के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है, जो लगभग 40 लाख श्रमिकों को रोजगार देता है। बांग्लादेश में 80% से अधिक निर्यात आय पैदा करता है और दुनिया के कई बड़े पश्चिमी ब्रांडों को कपड़े सप्लाई करता है।

4.2 करोड़ बच्चों को पछाड़ 11 साल की मयार ने जीता अरब रीडिंग चैलेंज

दुबई , एजेंसी। मिस्र की 11 साल की छात्रा मयार मोहम्मद ने दुबई में आयोजित 8वें 'अरब रीडिंग चैलेंज' में दुनिया भर के 4.02 करोड़ से अधिक छात्रों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। दुबई ओपेरा में आयोजित समारोह में यूएई के उपराष्ट्रपति, पीएम व दुबई के शासक मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मयार को इस ऐतिहासिक जीत के लिए सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता को जीतने पर मयार को इनाम के रूप में 5 लाख दिरहम (लगभग 1.14 करोड़ रुपये) की राशि मिली है। मिस्र की एक प्राइमरी स्कूल की छात्रा मयार ने दुबई में फाइनल स्टेज तक पहुँचने और उसे जीतने के लिए अलग-अलग विषयों की दर्जनों किताबों को न केवल पढ़ा, बल्कि उनका गहराई से विश्लेषण भी किया। प्रतियोगिता इतनी कठिन थी कि दूसरे स्थान के लिए तीन छात्रों के बीच टाई हो गया।

ट्रंप ने किसानों को दिया 1.42 लाख करोड़ का पैकेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अमेरिकी कृषि उत्पादकों के लिए 15 अरब डॉलर(1.42 लाख करोड़ रुपये) की वित्तीय मदद और योजनाओं का वादा किया है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को डीजल और उर्वरक की उन बढ़ी हुई लागतों से राहत दिलाना है, जिन्हें उन्हें मुख्य रूप से ट्रंप के टैरिफ और ईरान के साथ युद्ध के कारण भुगतना पड़ा है। ग्रामीण मतदाताओं को लुभाने के लिए ट्रंप ने रविवार को आयोवा और कंसास का दौरा भी किया। कुल 15 अरब डॉलर में से आधे से अधिक यानी 8 अरब डॉलर किसानों को मिलने वाले एकमुश्त भुगतान के रूप में दिए जाएंगे।

फ्लोरिडा में विमान हादसा, रिहायशी इलाके के पास निजी जेट क्रैश; प्लेन में सवार सभी 9 लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी : एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

पायलट ने रेडियो पर कहा, हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान :



विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।

600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया : हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था। इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

रिहायशी इलाके के पास सड़क पर गिरा विमान : हादसे का शिकार हुआ विमान लियरजेट-60 था। यह दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके के ऊपर से गुजरते समय अचानक नीचे की ओर गिरा और सड़क के पास जोरदार धमाके के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई और आसमान में आग का बड़ा गोला दिखाई दिया। विमान सड़क के पास गिरा, जहां जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया। घटनास्थल पर चारों ओर आग की लपटें और काले धुएं का गुबार फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान रिहायशी मकानों के बेहद करीब गिरा। हादसे के दौरान वह घरों से कुछ ही दूरी पर सड़क के पास जा गिरा। मौके पर मौजूद लोग यह देखकर हैरान थे कि विमान मकानों और वहां से गुजर रहे वाहनों से टकराने से बाल-बाल बचा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि हादसे में आसपास के मकानों को कोई नुकसान पहुंचा है या नहीं।

कारों में बैठे लोगों ने बनाया हादसे का वीडियो : हादसे के समय आसपास से गुजर रही कारों में बैठे कुछ लोगों ने विमान के आसमान से तेजी से नीचे गिरने का वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में विमान सड़क के पास गिरने के बाद आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। घटनास्थल पर विमान के मलबे और सड़क के टूटे हिस्सों के आसपास आग की लपटें उठती रहीं।

हादसा मिलिट्री ट्रेल और 10वीं एवेन्यू नॉर्थ के पास हुआ। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सुरक्षा के मद्देनजर सड़क के दोनों ओर यातायात बंद कर दिया और वाहन चालकों से उस इलाके में जाने से बचने की अपील की।

क्वाड का आर्थिक सुरक्षा पर जोर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में सहयोग बढ़ाएंगे भारत समेत चारों देश

वाशिंगटन , एजेंसी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने के लिए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्रिटिकल मिनरल्स आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), समुद्री सुरक्षा और डिजिटल संपर्क के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। चारों देशों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाले आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बाजार को विकृत करने वाली नीतियों पर चिंता जताई है। अमेरिका के अटलांटा में 31 अक्टूबर को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक संपन्न हुई।

इसके बाद संयुक्त बयान जारी किया गया। जिसमें आर्थिक सुरक्षा को वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए जरूरी बताया गया। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, चारों देशों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्धता दोहराते हुए भरोसेमंद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण उद्योगों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन, गैर-बाजार नीतियां और मनमाने निर्यात प्रतिबंध वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। क्वाड के महत्वपूर्ण खनिज पहल ढांचे के तहत चारों देश इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से महत्वपूर्ण खनिजों को दोबारा हासिल करने, प्रसंस्करण संयंत्रों और रिफाइनरियों के विकास तथा वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर काम करेंगे। अमेरिका ने 'भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने वाली सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक करोड़ डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।' इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम करना है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह सहयोग आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अहम है। एआई के क्षेत्र में भी क्वाड ने बड़ी पहल की घोषणा की है। संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, चारों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद एआई तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए आठ करोड़ 50 लाख डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का इरादा रखते हैं। इसके लिए क्वाड एसआई एक्सेलेरेटर के माध्यम से काम किया जाएगा। विज्ञप्ति में 'एसआई' यानी 'सुपर इंटेलिजेंस' का उल्लेख किया गया है, जिसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में परिभाषित किया गया है।

हूती के खिलाफ सऊदी गठबंधन का अभियान, दावा- अहम सैन्य संसाधनों को किया तबाह

रियाद , एजेंसी। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा है कि उसने हूती गुट के महत्वपूर्ण संसाधनों को निष्क्रिय करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया है। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'अभियान रविवार सुबह चलाया गया। यह कदम सऊदी अरब और यमन में नागरिकों और नागरिक ठिकानों पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों के जवाब में उठाया गया था।' अल-मल्की ने बताया कि हूती विद्रोही इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने युद्ध प्रयासों को समर्थन देने और अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कर रहे थे, खासकर अपने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों के लिए। समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, उन्होंने इस अभियान की जगह या इसके नतीजों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इसके अलावा, रविवार को यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में स्थानीय निवासियों और एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि शहर में एक सरकारी सैन्य ठिकाने के पास हूती मिसाइल गिरी, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ। अपना नाम न बताने की शर्त पर 'सिन्हुआ' से बात करते हुए अधिकारी ने बताया कि मिसाइल पश्चिमी अदन के अल-बुरैका जिले में उस सैन्य ठिकाने के पास गिरी, जिसका इस्तेमाल सऊदी समर्थित यमनी सरकारी सेना कर रही थी। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज कई इलाकों तक सुनाई दी। हूती समूह ने इस हमले पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। अदन, जो यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का अस्थायी मुख्यालय है, हाल के दिनों में हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में आ गया है। यमन 2014 के आखिर से ही संघर्ष में उलझा हुआ है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

'नियमों का उल्लंघन' करने वाले तेल टैंकरों में विस्फोट, बारूदी सुरंग से टकराए थे दोनों: ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पिछले कुछ घंटों के दौरान दो 'नियम उल्लंघन करने वाले' सुपरटैंकर समेत एक तेल टैंकर में धमाका हुआ। कथित तौर पर ये दोनों बारूदी सुरंगों (नेवल माइन्स) से टकराए जिससे विस्फोट हुआ और दोनों वहीं रुक गए। रविवार (स्थानीय समय) को आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सिपाह न्यूज' पर जारी एक बयान में, नौसेना ने कहा कि ये टैंकर जलडमरूमध्य में एक 'अनधिकृत' (बिना अनुमति वाले) रास्ते से गुजर रहे थे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इसमें आगे कहा गया कि सुपरटैंकर में 'एक जोरदार विस्फोट हुआ और वह धू-धू कर जल रहा है।' बताया गया कि दोनों



जहाजों ने अपने नेविगेशन और पहचान प्रणालियों को बंद कर रखा था। ईरान ने 28 फरवरी को इस स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी। उसने इजरायल और अमेरिका के जहाजों–या उनसे जुड़े जहाजों - के सुरक्षित आवागमन पर रोक लगा दी थी। यह कदम ईरानी क्षेत्र पर उनके संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया था। इससे पहले, आईआरजीसी के प्रवक्ता होसैन मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बलों ने 'दुश्मन' को नुकसान पहुंचाने और रोकने के लिए एक विशाल युद्धक्षेत्र तय कर लिया है। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से सिन्हुआ ने बताया कि रविवार (स्थानीय समय) को ईरान के दक्षिण-पूर्वी केरमान प्रांत में एक सम्मेलन में मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बल 'दुश्मन को निर्णायक जवाब देने के लिए' पहले से कहीं अधिक तत्पर हैं। उन्होंने सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई द्वारा वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को दिए गए हालिया आदेशों का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम लीडर के इन निर्देशों ने 'युद्ध का एक नया अध्याय' शुरू कर दिया है। मोहेब्बी ने खामेनेई की उस बात का उल्लेख खासतौर पर किया जिसमें कहा गया कि 'अमेरिका के साथ युद्ध में कोई भौगोलिक सीमा नहीं है।' उन्होंने कहा कि आईआरजीसी ने अपने एजेंडे में दुश्मन के नए ठिकानों की पहचान करना और नए भौगोलिक क्षेत्रों में अभियानों की योजना बनाना शामिल किया है। शनिवार को एक बयान में बताया गया कि ईरान के सर्वोच्च नेता ने सशस्त्र बलों के वरिष्ठ कमांडरों को आदेश दिया है कि 'दुश्मनों' की ओर से आने वाले किसी भी स्तर और प्रकार के खतरे का, बिना किसी भौगोलिक सीमा के, 'तत्काल और प्रभावी' जवाब दिया जाना चाहिए। ये चेतावनियां ऐसे समय में आई हैं।

ऑस्ट्रेलिया के करीब 75 फीसदी लोगों ने माना, 'एक साल में देश और बंटा'

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक और सामाजिक विभाजन की खाई बढ़ती जा रही है। एक नए सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। करीब तीन-चौथाई नागरिकों ने माना कि उनका देश पिछले एक साल में पहले के मुकाबले अधिक बंट गया है। इसके साथ ही सरकार, राजनीतिक दलों और नेताओं पर जनता का भरोसा भी कमजोर हुआ है। स्वतंत्र थिंक टैंक मैकिनॉन की ने ये सर्वे कराया। सर्वेक्षण में 41.9 प्रतिशत लोगों ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई कि ऑस्ट्रेलिया पिछले 12 महीनों में अधिक विभाजित हुआ है, जबकि 32.5 प्रतिशत ने इससे कुछ हद तक सहमति जताई। इस तरह कुल 74.4 प्रतिशत लोगों ने देश में बढ़ते विभाजन को महसूस किया। सर्वेक्षण के मुताबिक, देश जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसे लेकर संतुष्ट लोगों की



संख्या भी घटी है। वर्ष 2025 में 28.8 प्रतिशत लोगों ने खुद को बहुत या कुछ हद तक संतुष्ट बताया था, लेकिन 2026 में यह आंकड़ा घटकर 26.1 प्रतिशत रह गया। वहीं, देश की दिशा को लेकर पूरी तरह असंतुष्ट लोगों की संख्या में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जून और जुलाई में हुए इस सर्वेक्षण में 4,000 से अधिक लोगों से ऑस्ट्रेलिया की राजनीतिक व्यवस्था, नेताओं और संस्थानों को लेकर उनकी राय पूछी गई। सर्वेक्षण में संघीय नेताओं और राजनीतिक दलों पर भरोसे में गिरावट भी सामने आई। वर्ष 2025 में 35.9 प्रतिशत लोगों ने संघीय राजनेताओं पर पूरा भरोसा जताया था, जो 2026 में घटकर 30.5 प्रतिशत रह गया। राजनीतिक दलों पर पूरा भरोसा रखने वालों का अनुपात भी 31.2 प्रतिशत से गिरकर 24.4 प्रतिशत पर आ गया। मैकिनॉन के अंतरिम कार्यकारी अध्यक्ष और विक्टोरिया राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री जॉन थ्वेट्स ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों का लोकतंत्र की संस्थाओं पर भरोसा उस राजनीति के मुकाबले कहीं अधिक है, जो इन संस्थाओं के भीतर संचालित होती है। उन्होंने शिक्षा के आधार पर लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में अंतर को भी महत्वपूर्ण बताया। थ्वेट्स के अनुसार, 'विश्वविद्यालय की डिग्री या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त लोगों में लोकतंत्र से संतुष्टि का स्तर 59 प्रतिशत है, जबकि हाईस्कूल या उससे कम शिक्षा वाले लोगों में यह केवल 39.7 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी असंतोष सामने आया। जब लोगों से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है।

अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बड़ी दस्तक, 57 चेहरे मंगलवार को आजमाएंगे किस्मत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में इस बार भारतीय मूल के उम्मीदवारों की उल्लेखनीय मौजूदगी देखने को मिल रही है। ओहायो में गवर्नर पद से लेकर लॉस एंजिलिस के मेयर और मैसाचुसेट्स की सीनेट सीट तक, भारतीय मूल के 57 उम्मीदवार मंगलवार को मतदाताओं के बीच अपनी किस्मत आजमाएंगे। यह संख्या अमेरिकी राजनीति में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बढ़ती भागीदारी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा को भी रेखांकित करती है। आईएएनएस ने देशभर से जुटाई एक लिस्ट के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इन 57 उम्मीदवारों में एक सीनेट, 11 प्रतिनिधि सभा, तीन राज्यव्यापी पदों, 36 राज्य विधानमंडलों और छह स्थानीय पदों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। सूची में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को शामिल किया गया है, जिनकी भारतीय मूल की पहचान की पुष्टि हो सकी है।

इसके अलावा 15 ऐसे संभावित उम्मीदवार हैं, जिन्हें भारतीय मूल का माना जा रहा है, लेकिन पर्याप्त पुष्टि नहीं होने के कारण सूची में जगह नहीं मिली है। इन चुनावों में सबसे अधिक निगाहें ओहायो पर रहेंगी, जहां रिपब्लिकन पार्टी के विवेक रामास्वामी गवर्नर पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन को चुनौती दे रहे हैं।

रविवार को उपलब्ध फिफ्टीप्लसवन के पोलिंग औसत में एक्टन को करीब तीन अंकों की बढ़त दिखाई गई। रामास्वामी की उम्मीदवारी इसलिए भी अहम है क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और उनकी जीत अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं की स्थिति को एक



नई ऊंचाई दे सकती है। लॉस एंजिलिस में सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन मौजूदा मेयर करेन बास को चुनौती दे रही हैं। यूसी बर्कले इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंटल स्टडीज और लॉस एंजिलिस टाइम्स के संयुक्त सर्वेक्षण में दोनों उम्मीदवारों को 40-40 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि 19 प्रतिशत मतदाता अब भी अनिर्णीत थे। यह मुकाबला भी भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बढ़ती राजनीतिक पहुंच का एक अहम उदाहरण है। न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन उम्मीदवार सरिता कोमाटिरेड्डी अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ मैदान में हैं। 28 अक्टूबर को जारी सिएना सर्वेक्षण में जेम्स को 54 प्रतिशत और कोमाटिरेड्डी को 39 प्रतिशत समर्थन मिला था। मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर भी दोबारा चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से वह गवर्नर पद के उम्मीदवार के साथ चुनावी मैदान में हैं, जबकि रिपब्लिकन टिकट में डैन कॉक्स शामिल हैं। सीनेट की एकमात्र भारतीय मूल के उम्मीदवार वाली दौड़ मैसाचुसेट्स में है। यहां शिवा अय्यादुरई निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में डेमोक्रेटिक सीनेटर एड मार्की को चुनौती दे रहे हैं।

अरब पार्टियों ने याशार को समर्थन दिया; चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं मिला

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार हैं। इजराइली मीडिया आई24 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इस गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया है। वहीं, अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशार पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। नेतन्याहू की पार्टी लिकुड 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मुख्य विपक्षी पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। लिकुड के गठबंधन की 53 और याशार के गठबंधन की 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। अब अगर याशार पार्टी अरब पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो उनके पास 67 सीटें हो जाएगी।

नेतन्याहू सभी विकल्पों पर विचार कर रहे : इजराइली मीडिया द्व24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू की पार्टी लिकुड के करीबी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे आइजनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को भी खारिज नहीं कर रहे हैं,



जबकि सार्वजनिक रूप से वे साझा सरकार बनाने की योजना से इनकार कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजनकोट अरब पार्टियों और कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों के साथ मिलकर वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे उन्हें सत्ता से हटना पड़ सकता है।

विपक्षी दलों का समर्थन लेना : नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं।

चुनौती- विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए अब नेतन्याहू का समर्थन करना आसान नहीं होगा।

राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना : नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आ सकती हैं। चुनौती- नेतन्याहू के कुछ सहयोगी भी इस विकल्प पर चर्चा कर चुके हैं। इससे नेतन्याहू को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का मौका मिल सकता है। लेकिन आइजनकोट पहले ही नेतन्याहू के नेतृत्व का विरोध कर चुके हैं। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है।

अल्पमत सरकार बनाना : नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में 61 सांसद नहीं होते। इसके बावजूद वह संसद में दूसरे दलों के समर्थन या उनके विरोध न करने के भरोसे चल सकती है।

चुनौती- ऐसी सरकार को बजट पास कराने, विश्वास मत जीतने और दूसरे जरूरी फैसलों के लिए बार-बार दूसरे दलों का समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए अल्पमत सरकार बनाना ही नहीं, उसे लंबे समय तक चलाना भी मुश्किल होगा। आइजनकोट अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम के समर्थन से सरकार बना सकते हैं। विपक्षी गठबंधन की 48 और अरब पार्टियों की 19 सीटें मिलाकर उनके पास 67 सांसदों का समर्थन है। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से ज्यादा है। आइजनकोट और अरब पार्टियों के बीच कई नैतिक मतभेद हैं। साथ ही नेतन्याहू भी इसे देश के साथ गद्दारी बता चुके हैं।

इंडगो के बेड़े में दिसंबर 2027 तक 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होंगे

कम दूरी पर मुख्य फोकस, पर 2028 से ए350 से लंबी दूरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

इंडिगो अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का जाल फैलाने की बड़ी तैयारी में है। इं डिगो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने मंगलवार को बताया कि दिसंबर 2027 तक उसके बेड़े में कुल 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होने की उम्मीद है, जो लंबी दूरी तय कर सकते हैं। उन्होंने एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026 में यह भी खुलासा किया कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 600 विमानों का बेड़ा तैयार करना है। अे धिकारी ने बताया कि फिलहाल ऐसे चार विमान बेड़े में हैं और इस साल एक और जोड़ा जाएगा। इन अधिक क्षमता वाले विमानों से विदेशों में नए गंतव्य जुड़ेंगे। उन्होंने दोहराया कि विमानन कंपनी का ध्यान कम दूरी की उड़ानों पर ही बना रहेगा। बोइंग 787 का परिचालन बंद कर चुकी इंडिगो को 2028 की दूसरी तिमाही से ए350-900 विमान मिलने शुरू होंगे। हालांकि, उन्होंने चेताया कि ए350 के उत्साह में कंपनी को अपनी कम दूरी की कुशल उड़ानों पर से ध्यान नहीं भटकना चाहिए। इंडिगो को उम्मीद है कि 2030 तक उसके बेड़े में 600 विमान होंगे (फिलहाल 440 से अधिक)। उन्होंने हवाई अड्डों से प्रभावी साझेदारी व निवेश पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही, साथ ही उनके ऊंचे शुल्क-करों की आलोचना भी की।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियो जैसे प्रमुख स्थलों पर मिलेगी भुगतान की सुविधा

नई दिल्ली ।

भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है। यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं। यह नई पहल विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी और वैश्विक स्तर पर भारतीय डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगी। यह भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

हुंडई-किया के पुर्जे बनाने वाली तीन कंपनियां अनंतपुर में लगाएंगी फैक्ट्रियां

नई दिल्ली ।

भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह ₹1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200 , निफ्टी 370 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक भारी बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इस तेजी का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज शेयरों में आया उछाल है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1225.07 अंक बढ़कर 76,917.85 के ऊपरी स्तरों पर बंद हुआ। इसी तरह, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 370.05 अंकों की तेजी के साथ ही 23,810.85 के स्तर पर पहुंचा। गत दिवस भी बाजार में करीब 1.5 फीसदी की तेजी रही जिससे यह लगातार दूसरा ऐसा दिन रहा जब निवेशकों की पूंजी बढ़ी है।

आज अधिकर शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए, जबकि शेष 5 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी में भी यही रुझान रहा। इसमें 50 में से 39 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रहीजबकि 10 शेयरों में गिरावट आई और एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

दिग्गज शेयरों में हिंदुस्तान



यूनिलीवर के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई और यह 4.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, भारती एयरटेल , एचडीएफसी बैंक , एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी , टाइटन, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी उछले। । बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और सन फार्मा जैसे अन्य प्रमुख शेयरों में भी बढ़त रही। इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर ऐसे भी रहे, जिन्हें नुकसान उठाना पड़ा। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी 0.87 और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार 12 पैसे मजबूत होकर 94.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले डॉलर के मजबूत होने से दुनियाभर के निवेशकों के सतर्क रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.68 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद यह डॉलर के मुकाबले 94.72 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 101.65 पर आ गया।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि

आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अे धिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया

नई दिल्ली।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था।

मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

रिलायंस के दमदार तिमाही नतीजों और शेयर में जोरदार उछाल से संपत्ति बढ़ी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है। यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक का शेयर आठ फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

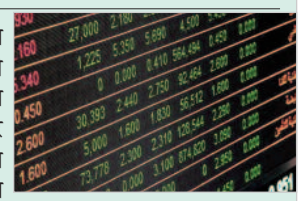

अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई में यह 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,161.69 करोड़ रुपये रहा। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 9.47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 668 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी की योजना नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए करने की है।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

हाइब्रिड परियोजना की परिचालन क्षमता 200 मेगावाट पार

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है।

कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है।

इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है। यह परियोजना बीकानेर के केलां गांव में स्थित है और इसके लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 3.36 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की दर से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है।

नई शुरू की गई क्षमता की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 4 नवंबर, 2026 निर्धारित है।

कंपनी को उम्मीद है कि वह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही तक परियोजना की पूरी 300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को चरणबद्ध तरीके से परिचालन में ले आएगी।

भारत में मीठी ड्रिंक्स से दूरी बना रहे लोग,जीरो शुगर की मांग दोगुनी

पेप्सी-कोक जैसी कंपनियां अपना रहीं नई रणनीति

नई दिल्ली ।

भारत का 60 हजार करोड़ रुपए का सॉफ्ट ड्रिंक बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता अब मीठे पेय पदार्थों के बजाय जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे पेप्सीको और कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है।

पेप्सीको के कुल वॉल्यूम में जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स की हिस्सेदारी जुलाई से सितंबर 2026 तिमाही में बढ़कर 88 फीसदी हो गई, जो पिछले साल 44 फीसदी थी।

कोका-कोला की डाइट और लाइट ड्रिंक्स की बिक्री में भी तेज उछाल आया है, जहां डाइट कोक की बिक्री में 150 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और इनकी कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार पहुंच गई है।

इस बदलाव के पीछे उपभोक्ताओं में बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ चीनी की बढ़ती कीमतें भी एक बड़ा कारण हैं। पिछले साल 40-50 रुपए किलो मिलने वाली चीनी अब 58-65 रुपए किलो तक पहुंच गई है।

पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को जीरो शुगर उत्पादों से महंगी चीनी लागत के दबाव को कम करने में मदद मिली है।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़,दाम 4100 रुपए के पार

समुद्री मार्ग बाधित होने से कच्चे माल की किल्लत, निर्यात पर भी खतरा

भोपाल ।

पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं। हालांकि, राज्य में कोई घोषित गन्ना नीति नहीं होने से किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीआई टैग प्राप्त करेली गुड़ का बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों और मॉरीशस जैसे देशों में निर्यात होता है, लेकिन उत्पादन लागत में वृद्धि अब इसके निर्यात पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार, अमेरिका ने हमले को बताया बचाव का कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति



विनोद सिंह 'तकियावाला'

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है।

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल...

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में



इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इनमें पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंडों में एलिवेटेड मार्ग, वाराणसी- रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड राजमार्ग तथा गंडक नदी पर पुल निर्माण जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है। बिहार की बाढ़ समस्या का समाधान किसी एक योजना से संभव नहीं है, लेकिन यह पहल नदी प्रबंधन, सड़क निर्माण और पर्यावरण संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करने का अवसर अवश्य प्रदान करती है। अब जरूरत समयबद्ध कार्ययोजना, पारदर्शी निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन की है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें इसे धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर पाती हैं, तो बिहार की नदियों की गाद वास्तव में राज्य के विकास की नई संजीवनी बन सकती है।

संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

सूक्ति

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्त्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
– महात्मा गांधी
चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
– सत्यसाई बाबा

आजम खान की गिरफ्तारी: कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?



सौरभ वार्ष्णेय

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।

आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं।

आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

राजनीतिक दलों को भी इस मामले में संयम बरतने की जरूरत है। सत्ता पक्ष को जांच को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए और विपक्ष को भी हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र में न तो जांच एजेंसियां किसी सरकार की निजी संस्था हैं और न ही राजनीतिक नेता कानून से ऊपर हैं। इसी तरह सरकार को भी यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह जांच के नाम पर किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करे।

आजम खान का मामला केवल एक नेता की गिरफ्तारी या जेल भेजे जाने तक सीमित नहीं है। यह देश की न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता और राजनीतिक जवाबदेही की कसौटी भी है। ईडी को यदि वित्तीय अनियमितताओं के प्रमाण मिले हैं तो उन्हें अदालत के सामने मजबूती से प्रस्तुत करना चाहिए। आजम खान को भी अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों का कानूनी जवाब देने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। अदालत को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय करना चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है कि कानून का तराजू सत्ता और विपक्ष, प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के बीच कोई भेदभाव न करे। अपराध साबित होने पर सजा मिले और निर्दोष होने पर सम्मानपूर्वक न्याय। आखिरकार न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसकी निष्पक्षता जनता को दिखाई भी देनी चाहिए। आजम खान प्रकरण में भी देश की निगाहें इसी न्यायिक कसौटी पर टिकी हैं।

मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान



मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है।

खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई।

जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है

आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.

इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी।

रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.

रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है.

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है. दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए विभाग की टीमें बाजारों में औचक निरीक्षण कर रही हैं. अभियान के तहत घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूली और माप-तौल से जुड़ी अनियमितताओं



पर विशेष नजर रखी जा रही है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर तक पहले चरण में और 2 से 5 नवंबर तक दूसरे चरण में जारी रहेगा.

मिठाई और गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठान और पेंट कारोबारियों को विशेष निगरानी में रखा गया है. विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि उपभोक्ताओं को घोषित मात्रा के अनुरूप वस्तुएं मिलें और उनसे निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली न की जाए. सरकार का कहना है कि त्योहारों के दौरान नागरिकों को सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष खरीदारी का माहौल उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस अभियान से मिलावटखोरो में हडकंप मच गया है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

टाइगर श्रॉफ गोलीबारी केस : करनाल से महिला गिरफ्तार, कुल 13 आरोपी हिरासत में

मुंबई, एजेंसी। मुंबई अपराध शाखा ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा के करनाल से एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ, मामले में अब तक कुल 13 लोगों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी महिला को करनाल से पकड़ा गया। हालांकि, अपराध में उसकी विशिष्ट भूमिका का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। और महिला को मुंबई लाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। यह घटना 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी, जब टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल मैदान से बाहर निकल रहे थे। गोलीबारी में अभिनेता बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके कार चालक और पास खड़े एक ब्लॉगर घायल हो गए थे। गिरफ्तार किए गए कुल आरोपियों में अब तीन महिलाएं शामिल हैं।

चक्रवात मुरासु : ओडिशा में बारिश, 1.60 लाख लोग सुरक्षित

भुवनेश्वर, एजेंसी। आंध्रप्रदेश के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु के टकराने के बाद ओडिशा के दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश दर्ज हुई है। राज्य सरकार ने किसी भी प्रतिकूल मौसम स्थिति से निपटने के लिए सभी जिलाधिकारियों को तैयार रहने का निर्देश दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा भारी बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान को देखकर दक्षिण क्षेत्र के पांच जिलों से 1.60 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और आपदा प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया गया है। ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि कोरापुट, मलकानगिरि, कंधमाल और कालाहांडी सहित कई जिलों से हल्की बारिश की सूचना है। उन्होंने कहा कि राज्य लगातार हाई अलर्ट पर है, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन ओडिशा के लिए एक बड़ी चुनौती है। मंत्री पुजारी ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम सामान्य होने तक आश्रय स्थलों में ही रहें। मुरासु के कारण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में हजारों पेड़ उखड़ गए हैं, बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं और मछुआरों की नौकाओं को भी नुकसान पहुंचा है।

प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने लोगों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया

- हवाई किराए में बेतहाशा वृद्धि और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भड़के सौरभ दास

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में हवाई जहाजों के किराए में हुई बेतहाशा वृद्धि के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार करने के बाद देश में बयानबाजी तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नेता सौरभ दास ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि देश की मौजूदा प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने आम नागरिकों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया है। दरअसल, त्योहारी सीजन में कई प्रमुख हवाई मार्गों पर टिकट की दरों में सात सौ फीसदी तक की भारी बढ़ोतरी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया गया था। इस मामले की सुनवाई में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति ए सिंह की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए टिप्पणी की थी कि लोग हवाई यात्रा न करें। सुप्रीम कोर्ट के इस बयान से आहत होकर सौरभ दास ने प्रकाशित खबरों का हवाला देते हुए लिखा कि आम जनता आज चौतरफा समस्याओं से घिरी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर जहरीला वायु प्रदूषण है तो सांस मत लो, सड़कों पर गड्ढे हैं तो चलो मत, पेट्रोल महंगा है तो गाड़ियां मत चलाओ, पेपर लीक हो रहे हैं तो परीक्षाएं मत दो और अगर मीडिया समाज को बांट रहा है तो टीवी देखना बंद कर दो। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी में नौकरी मत खोजो, यह पूरी व्यवस्था ही नागरिकों को विवश कर रही है।

कांग्रेस के साथ जो जाता है, डूब जाता है: शिवराज सिंह चौहान

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत मंगलवार को एनडीए गठबंधन ने लखनऊ में पदयात्रा निकाली। इसमें हजारों की संख्या में भाजपा और सहयोगी दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में निकली इस पदयात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ एनडीए के सहयोगी दलों के प्रमुख नेता भी शामिल हुए। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा।

पदयात्रा के दौरान केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने भाजपा को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि आपने हमें छेड़ दिया है। आज हजारों की संख्या में कार्यकर्ता लोकतंत्र बचाने और अराजकता हटाने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, देश में 49 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और प्रधानमंत्री ने दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो रहा है, लेकिन कांग्रेस को यह पसंद नहीं आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब विपक्ष चुनावी मैदान में मुकाबला नहीं कर पाता तो झूठ फैलाकर देश को गुमराह करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन लगातार इसी चिंता में लगा है कि नरेंद्र मोदी को कैसे हराया जाए। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है। तमिलनाडु से लेकर उत्तर प्रदेश तक कांग्रेस की राजनीतिक जमीन कमजोर हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ऐसी पार्टी और नेता हैं, जिनके साथ जो जाता है, वह भी डूब जाता है। डूबने के अलावा इनके पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है। शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि चुनाव नहीं जीत पाने के कारण कांग्रेस और इंडी गठबंधन लोकतंत्र को गुंडातंत्र और लूटतंत्र में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने देश के बंटवारे के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि 1905 में लॉर्ड कर्जन और 1947 में मोहम्मद अली जिन्ना ने देश को बांटने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन भी इसी तरह की कोशिश कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता देश को बांटने और विदेशी ताकतों के इशारे पर भारत विरोधी नैरेटिव चलाने की कोशिशों को सफल नहीं होने देगा।



मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मृतकों, दूसरी जगह जा चुके लोगों और फर्जी व डुप्लीकेट नामों को मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि करीब एक करोड़ फर्जी और डुप्लीकेट नाम हटाए गए हैं। उनके मुताबिक, इससे विपक्ष परेशान है, क्योंकि वह घुसपैठियों के सहारे सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए देश के हित में काम करते हैं, जबकि इंडी गठबंधन घुसपैठियों के पक्ष में खड़ा है।

घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए, गडकरी ने ठेकेदार को लगाई फटकार

- केंद्रीय मंत्री मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखने गए थे वर्धा

वर्धा, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह महाराष्ट्र के वर्धा जिले में घटिया सड़क निर्माण को लेकर एक ठेकेदार को फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में गडकरी सड़क निर्माण में घटिया काम करने को लेकर ठेकेदार को फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। गडकरी ठेकेदार से कहते सुनाई दे रहे हैं कि उसे ''इतना घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने ठेकेदार को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और सड़क की मरम्मत तत्काल कराने के निर्देश दिए। यह घटना रविवार की बताई जा रही है, जब गडकरी ने वर्धा जिले के सिंदी शहर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखी थी। यह परियोजना 150.42 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसका निर्माण महाराष्ट्र एमएमएलपी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) का संयुक्त उद्यम है।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूरी तरह विकसित होने के बाद यह पार्क सड़क और रेल के जरिये माल ढुलाई को सुगम बनाएगा। इससे रसद लागत और परिवहन में लगने वाला समय कम होगा, आपूर्ति शृंखला मजबूत होगी और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस परियोजना से रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही इससे भारत की व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम से इतर एक स्थानीय विधायक ने वर्धा की एक सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता खराब होने की शिकायत केंद्रीय मंत्री गडकरी से की।

नवीन पटनायक के गुमशुदा पोस्टर से ओडिशा में सियासी घमासान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की राजनीति में एक नया सियासी घमासान शुरू हुआ है, जब गंजाम जिले के हिंजिली में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधायक नवीन पटनायक के गुमशुदा होने के पोस्टर लगे। इस घटना ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी बीजू जनता दल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का एक नया दौर छेड़ दिया है। पोस्टर सामने आने के बाद कई सवाल उठ रहे हैं.....आखिर इन पोस्टरों के पीछे कौन है और इसका असली मकसद क्या है? माना जा रहा है कि इन पोस्टरों का संबंध चक्रवात और हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बाद हिंजिली विधानसभा क्षेत्र में पूर्व सीएम पटनायक की कथित गैरमौजूदगी से है। पटनायक हिंजिली सीट से विधायक हैं, और उस समय में जब गंजाम जिले में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था और राज्य को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था (जिससे 13 लाख लोग प्रभावित हुए थे), उनकी क्षेत्र में अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पोस्टर लगाने वालों की पहचान अभी तक उजागर नहीं हुई है, और न ही किसी व्यक्ति या संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है, जिससे इसके पीछे का वास्तविक उद्देश्य अस्पष्ट बना हुआ है। इस घटना ने भाजपा और बीजेडी के बीच राजनीतिक बयानबाजी को तेज किया है। सत्ताधारी भाजपा पूर्व सीएम पटनायक की हिंजिली में कथित अनुपस्थिति पर लगातार सवाल उठा रही है, जबकि विपक्षी बीजेडी अपने नेता का बचाव कर रही है। बीजेडी का कहना है कि पटनायक ने पार्टी नेताओं और प्रशासन के साथ समन्वय के माध्यम से राहत और सामान्य स्थिति बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि इन गुमशुदा पोस्टरों के पीछे किसका हाथ है और इसका राजनीतिक या अन्य क्या मकसद है। लेकिन इतना तय है कि हिंजिली में लगे इन पोस्टरों ने ओडिशा की राजनीति में चक्रवात के बाद राहत कार्यों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर एक नई बहस को केंद्र में ला दिया है।

राजधानी दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर केंद्र सरकार से तत्काल एक्शन लेने को कह दिया है। पटाखों की बिक्री पर पाबंदी के बावजूद राजधानी के बाजारों में विभिन्न प्रकार के पटाखों की धड़ल्ले से बिक्री पर न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अखबार की खबर का संज्ञान लेकर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि न्यायालय के आदेशों का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए।



न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, आज की खबर में एक तस्वीर है, जिसमें दिखाया गया है कि हमारे आदेश के बावजूद दुकानों में सब कुछ उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि बाजार में हर तरह के पटाखे उपलब्ध हैं, चाहे वे लाइसेंस प्राप्त हों या बिना लाइसेंस वाले, उन पर क्यूआर कोड हो या नहीं। न्यायालय ने इस स्थिति पर तुरंत ध्यान देने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली (7 और 8 नवंबर) पर सुबह छह से सात बजे और रात आठ से 10 बजे तक केवल हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति दी थी। हालांकि, न्यायालय ने अपने 29 अक्टूबर के आदेश में कहा था कि पूर्ण प्रतिबंध आदर्श समाधान प्रतीत होता है, लेकिन वर्तमान में उसके पास इतने आंकड़े नहीं हैं कि यह तय किया जा सके कि प्रदूषण की समस्या के लिए पूर्ण प्रतिबंध ही सबसे बेहतर विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण की समस्या पर चिंता जताकर कहा कि किसी व्यक्ति को किसी विशेष गतिविधि में शामिल होने का अधिकार, भले ही उसका धार्मिक पहलू हो, पूर्ण नहीं है और यह संवैधानिक पाबंदियों से आगे नहीं हो सकता। न्यायालय ने पहले के निर्देशों को लागू करने में अधिकारियों द्वारा बरती गई ढिलाई पर नाराजगी जाहिर की है। पीठ ने स्पष्ट किया कि 9 नवंबर से पटाखों पर पहले लगाया गया पूर्ण प्रतिबंध फिर से लागू हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने निर्देश दिया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित ध्वनि निषेध क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे नहीं फोड़े जाएंगे। इन क्षेत्रों को पटाखा-मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा और उनकी विधिवत निशानदेही की जाएगी।

अनिश्चितकालीन धरनों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: सार्वजनिक स्थान घेरना गलत

केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जबाव

नई दिल्ली , एजेंसी। अनिश्चितकालीन धरनों पर सख्त रुख दिखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं। यह कार्रवाई मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों पर दिल्ली पुलिस की सख्ती को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की गई। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी समूह विरोध प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक स्थान पर अनिश्चित काल तक कब्जा करके नहीं बैठ सकता। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत, और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस जेवी मोहना की पीठ ने की। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की पीठ किराना कमिटी दिल्ली की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें त्यौहारों के दौरान विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान विरोध करने के अधिकार, पुलिस की कथित ज्यादतियों, सार्वजनिक स्थानों पर पाबंदियों और प्रदर्शनों का व्यापार पर पड़ने वाले असर को लेकर तीखी बहस हुई।

दिल्ली व्यापारी संघों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शनों के कारण होने वाली बाधाओं पर गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने तर्क दिया कि विरोध-प्रदर्शनों से व्यावसायिक गतिविधियों को भारी नुकसान होता है, खासकर त्यौहारी सीज़न में हुआ नुकसान कारोबारी को ज्यादा तकलीफ देता है। वरिष्ठ अधिवक्ता रोहतगी ने अदालत से कहा कि कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में दुकानें बंद रहीं, जिससे व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि अब किसी अलग तरह के समाधान (आउट-ऑफ-द-बॉक्स सॉल्यूशन) के बारे में सोचना होगा, क्योंकि यह सिर्फ जंतर-मंतर पर कुछ लोगों के बैठने का मामला नहीं, बल्कि आसपास रहने वाले 50 लाख लोगों और उनके कारोबार से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने दिल्ली पुलिस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत जारी आदेशों को अदालत में अलग से पेश न करने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में तर्क दिए हैं, लेकिन संबंधित आदेश रिकॉर्ड पर नहीं हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मोदी सरकार के पांचवें हलफनामे में यह जानकारी मौजूद है, जिसमें हेबियस कॉर्पस याचिकाएं, पत्रकार, वकील और जंतर-मंतर को डीनोटिफाई करने जैसे मामले शामिल हैं। गुरुस्वामी ने इस हलफनामे की एक प्रति की मांग की। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि बंद का आह्वान करने वालों को इसके नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। जस्टिस बागची ने पूछा कि क्या विरोध-प्रदर्शन के आयोजकों को कानूनी कार्यवाही में पक्षकार बनाया गया है, जिस पर रोहतगी ने उन्हें भी शामिल करने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट अब इस जटिल मामले में विरोध प्रदर्शन के मौलिक अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था व आर्थिक गतिविधियों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।



उमर पर निशाना साध रुहुल्लाह मेहदी ने छोड़ी नेशनल कॉन्फ्रेंस

-सांसद पद से भी इस्तीफे का ऐलान कर बोले- उमर ने भाजपा के सामने घुटने टेक दिए

श्रीनगर, एजेंसी । जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मंगलवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) छोड़ने और सांसद पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। बडगाम के जहरा पार्क में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला ने भाजपा के सामने घुटने टेक दिए हैं और 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं।



रुहुल्लाह मेहदी ने विशेष रूप से अनुच्छेद 370 और 35ए का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जिन मुद्दों को लेकर पार्टी ने जनता से समर्थन मांगा था, उन पर अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा, वादे कुर्सियों से कहीं बड़े होते हैं। जनसभा स्थल और उनके आवास के बाहर लगाए गए बैनरों पर भी यही संदेश प्रमुखता से दिखाई दिया। एक अन्य बैनर पर चरित्र की राजनीति, सिद्धांतों की राजनीति लिखा था।

कुर्सी और सत्ता को लेकर उमर पर तंज

मुख्यमंत्री उमर पर निशाना साधते हुए मेहदी ने कहा कि कुछ लोगों ने सत्ता हासिल करने के लिए मतदाताओं के सामने अपनी टोपियां उतार दीं, लेकिन उन्हें जनता के वास्तविक सम्मान का अर्थ समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस कुर्सी पर आज कुछ नेता बैठे हैं, उसमें सत्ता तो है, लेकिन सम्मान नहीं है। उन्होंने अपने भाषण में कहा, मैं अपना सिर केवल सर्वशक्तिमान अल्लाह के सामने झुकाता हूं। मेरी प्रार्थना है कि मुझे कभी किसी और के सामने अपनी टोपी और पगड़ी न झुकानी पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि आमतौर पर लोग कुर्सी छिनने पर दुखी होते हैं, लेकिन वे खुद कुर्सी छोड़ने का फैसला कर रहे हैं और इससे खुश हैं।

तीन बार विधायक और पहली बार बने थे सांसद

आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने वर्ष 2002 में बडगाम विधानसभा सीट से पहली बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद वह तीन बार विधायक चुने गए। वर्ष 2009 से 2014 तक उमर अब्दुल्ला की सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने श्रीनगर सीट से जीत हासिल कर पहली बार संसद में प्रवेश किया था। उनके इस्तीफे के ऐलान से नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर राजनीतिक समीकरणों को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

महाराष्ट्र की पांच अदालतों को बम की धमकी, गहन तलाशी के बाद झूठी निकली

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र के पुणे, ठाणे, हिंगोली, बीड और नांदेड जिलों की जिला एवं सत्र अदालतों को परिसर में बम विस्फोट करने की धमकी वाले ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। इन धमकियों से राज्यभर में सुरक्षा को लेकर पुलिस ने तुरंत बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, विस्तृत जांच और बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) तथा श्वान दस्ते की गहन तलाशी के बाद किसी भी अदालत परिसर से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, और इन सभी धमकियों को झूठा घोषित किया गया। ठाणे शहर में अदालत की इमारत को दोपहर में ही खाली कराया गया था, क्योंकि कार्यालय को एक संदेश मिला था कि दोपहर साढ़े तीन बजे बम विस्फोट होगा। न्यायाधीशों, वकीलों और अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद, पुलिस ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। पुणे में शिवाजीनगर अदालत परिसर को भी इसी तरह के ईमेल के बाद खाली कराया गया और बीडीडीएस टीम ने संभावित संदिग्ध वस्तु की तलाश की।

राहुल गांधी से मिल, सिद्धारमैया ने स्टिंग वीडियो मामले में जारी जांच पर जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर कथित स्टिंग वीडियो मामले में चल रही जांच पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सूत्रों के मुताबिक, सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि उनकी ही पार्टी के कुछ नेता उनकी छवि खराब करने वाले मनगढ़ंत वीडियो को बनाने में शामिल हैं।



उन्होंने पुलिस जांच के तरीके पर असंतोष जताया, उनका कहना था कि पुलिस केवल वीडियो अपलोड करने वाले की तलाश कर रही है, जबकि इसके असली निर्माताओं का पता लगाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने इस फैब्रिकेटेड वीडियो को अपनी छवि धूमिल करने की साजिश बताया और राहुल गांधी से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने का आग्रह किया।

ज्ञात हो कि सितंबर में यूट्यूब पर दो वीडियो अपलोड किए गए थे, जिसमें सिद्धारमैया के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके बाद उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया और मीडिया को उन पर रिपोर्टिंग से रोकने का आदेश प्राप्त किया। साथ ही, उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कर जांच की मांग भी की थी।

हालिया जांच में सामने आया है कि स्टिंग ऑपरेशन में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन दिल्ली से खरीदा गया था। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रितेश पांडे ने बताया कि विनोद शर्मा और उन्होंने प्रज्वल प्रसाद के निर्देश पर करोल बाग से फोन खरीदा और दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के सरकारी आवास पर प्रज्वल को सौंपा। दिल्ली के निवासी पांडे को 24 अक्टूबर को वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

स्वामित्वकारी दैनिक पारदर्शी खबर के लिए मुद्रक, प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा पारदर्शी प्रिंटिर्स , अम्बेडकर कॉलौनी, नौरंगाबाद अलीगढ से छपवाकर कार्यालय- अचल ताल निकट नटराज मन्दिर , अलीगढ, पिन कोड न0-202001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। आरएनआई न.-यूपीएचआईएन/2014/65624
संपादक : गौरव सिंह, मो. 9837009994 सभी विवादो का न्यायक्षेत्र अलीगढ़ न्यायालय होगा। पत्र मे प्रकाशित किसी भी रचना व लेख का किसी भी तरह का पारिश्रमिक लेखक की देय नही है। लेखक के विचारो से सम्पादक की सहमति होना जरूरी नही है।

कीर्ति सुरेश ने नहीं की बॉलीवुड में आने की जल्दबाजी



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

क्या बोलीं कीर्ति सुरेश

कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।'
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।
कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है।
'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है।



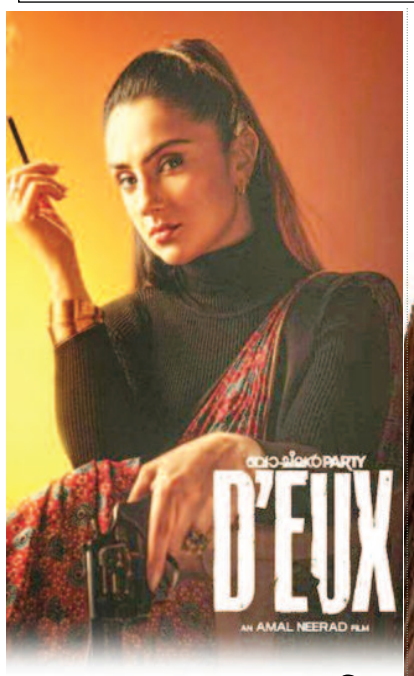

बैचलर पार्टी डी'यूक्स में पेरिस लक्ष्मी की एंट्री

निर्देशक अमल नीरद की चर्चित मलयालम फिल्म 'बैचलर पार्टी डीयूक्स' को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस पेरिस लक्ष्मी के किरदार का नाम भी बता दिया है। वह फिल्म में नलिनी के रोल में नजर आएंगी। निर्देशक अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'पेरिस लक्ष्मी नलिनी हैं।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की हिट फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी दिलचस्पी बनी हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' में बड़े सितारों की फौज नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमालु' से पूरे देश में पहचान बनाने वाले अभिनेता नसलेन मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कुचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, राजिशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म में नसलेन के किरदार का नाम खुलासा किया था। वह फिल्म में सोनी की भूमिका निभा रहे हैं। उस समय उनके किरदार के नाम के साथ फिल्म से उनके दो पोस्टर भी जारी किए गए थे।
फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शरफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।
दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म में ज्यादातर कलाकारों के लुक के साथ उनके किरदारों के नाम भी सामने ला दिए हैं, लेकिन टोविनो थॉमस के मामले में ऐसा नहीं किया गया है। फिल्म से उनका लुक जारी हो चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम अभी तक नहीं बताया गया है। उनके पोस्टर जारी करते हुए निर्देशक अमल नीरद ने विलियम शेक्सपियर की मशहूर पंक्ति लिखी थी, 'नर्क खाली है और सारे शैतान यहीं हैं।' 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' इस साल 19 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



50 साल की महिला बनने के लिए वामिका गब्बी ने पहना प्रोस्थेटिक्स

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।'
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'
वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं बार काम करेंगी कृति

कृति सेनन एक बार फिर अपने नए अंदाज में नजर आने की तैयारी कर रही हैं। अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली कृति अब डरावनी कहानी पर बेस्ड फिल्म में लीड रोल प्ले करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स करेगा। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कृति और मैडॉक फिल्म्स की साझेदारी 9वीं बार होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...'कृति ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है। इसमें दर्शकों को हंसाने के बजाय डर का माहौल बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।'



मेनस्ट्रीम सिनेमा में हमेशा पुरुषों का दबदबा रहा, लेकिन अब बदल रहा है दौर

अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों क्राइम थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि जहां मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में हमेशा से ही पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है, वहां महिलाएं भी धीरे-धीरे और मजबूती से फिल्मों में लीड करती आ रही हैं। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हीरोइनें लंबे समय से हीरो के तौर पर आ रही हैं। विद्या बालन और काजोल की ऐसी कई फिल्में मुझे याद हैं, जो महिला प्रधान रही हैं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बदलाव लंबे समय से हो रहा है। अभिनेता ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से महिलाओं पर केंद्रित कहानियां ज्यादा बनने लगी हैं, क्योंकि ऐसे प्रोजेक्ट्स में उतना पैसा नहीं लगता जितना सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में लगता है। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'ओटीटी के आने के बाद महिला प्रधान फिल्में या सीरीज देखने को मिल रही हैं, क्योंकि इन्हें रिलीज करने की कीमत उतनी बड़ी नहीं होती है।'
मनोज बाजपेयी ने चर्चा को सिर्फ महिलाओं वाली फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन पुरुष कलाकारों के लिए भी मौके पैदा किए हैं, जिन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में सही पहचान नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा, 'उन कलाकारों को देखिए जो पहले ठीक से पहचाने भी नहीं जाते थे। पुरुष कलाकार मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह भी नहीं बना पाते थे। उन्हें ओटीटी पर इतना सम्मान मिल रहा है।'
उन्होंने आगे कहा, 'और उनकी लाइफस्टाइल भी बनी हुई है। उन सभी किरदारों की वजह से, जो उन्हें मिल रहे हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में एक तरह का सुकून मिल रहा है।' फिल्म 'गजब रात' में अभिनेता मनोज बाजपेयी दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर 'अजय निर्वित' (अजय दीक्षित) की भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट और शातिर पुलिस अधिकारी होता है। इस फिल्म में उनके अलावा नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम, श्रद्धा दास और किकू शारदा अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन रितेश शाह ने किया है और इसे नीरज पांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का पुराना नाम 'घूसखोर पंडित' था, जिसे विवाद और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचने के बाद बदलकर 'गजब रात' किया गया था।



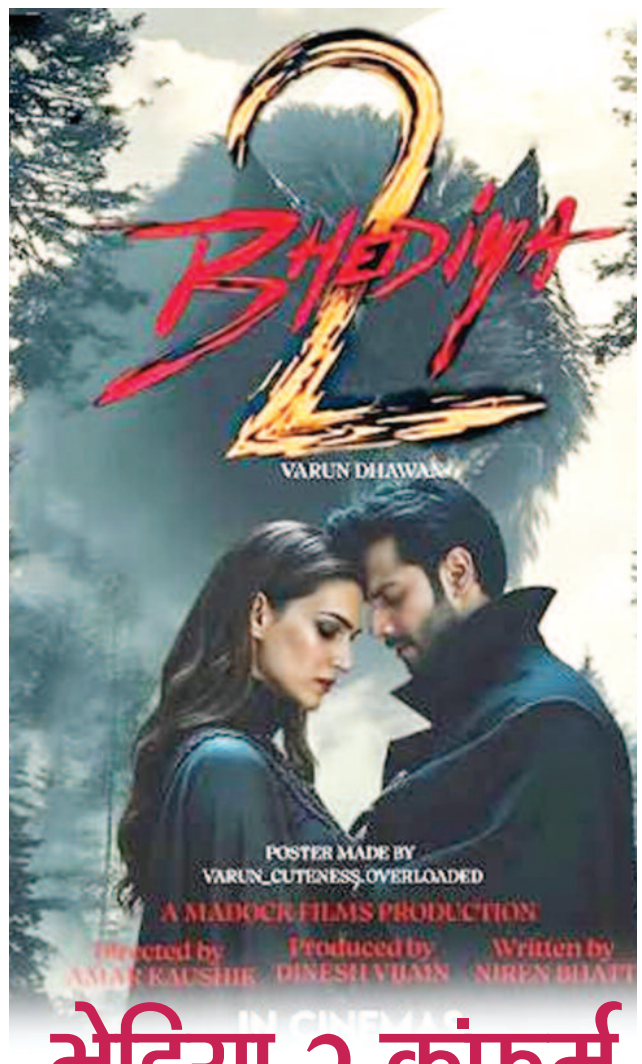

भेड़िया 2 कंफर्म

कृति की वरुण और अमर कौशिक की मुलाकात से बढ़ा उत्साह

कृति सेनन ने अपनी फिल्म 'भेड़िया' के सह-कलाकार वरुण धवन और फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के साथ फिर से मुलाकात करके फिल्म फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के 'स्टोरीज' सेक्शन में एक छोटी क्लिप अपलोड की। इसमें कृति, वरुण और अमर कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए और भेड़िये की तरह आवाज निकालते हुए नजर आए, जो उनकी फिल्म 'भेड़िया' की ओर इशारा था। वीडियो पर लिखे टेक्स्ट से संकेत मिला कि वे शायद किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें लिखा था, 'एक ऐसा सरप्राइज रीयूनियन, जो आपको 'दीवाना' बना देगा। वरुण ने भी कृति की इस पोस्ट को अपने ऑफिशियल हैंडल पर रीशेयर किया। हालांकि, अभी पक्का नहीं है, लेकिन हो सकता है कि ये तीनों 'भेड़िया 2' की घोषणा करने की योजना बना रहे हों।
वैसे, 'भेड़िया' के अलावा कृति और वरुण ने साथ में 'दिलवाले' भी की थी। अगर 'भेड़िया 2' आती है तो यह पर्दे पर उनकी तीसरी जोड़ी होगी।
मई में ये दोनों दोस्तों और संगीत के साथ एक शाम बिताने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान वे काफी मस्ती करते दिखे। उनके साथ कृति की बहन नूपुर सैनन, उनके पति और सिंगर स्टेबिन बेन और 'फुकरे' फेम एक्टर वरुण शर्मा भी मौजूद थे। वे सभी वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के गाने 'तेरा हो जाऊं' पर झूमते नजर आए। बता दें कि इस रोमांटिक गाने को स्टेबिन और जोनिता गांधी ने गाया है और इसके बोल वायु ने लिखे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'तेरा हो जाऊं... इस मस्ती के साथ... आखिर तक जरूर देखें।'
'भेड़िया' की बात करें तो, यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी भास्कर (वरुण) नाम के एक रोड-कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में काम करते समय एक भेड़िया काट लेता है। इस घटना के बाद वह धीरे-धीरे एक 'वेयरवोल्फ' (आधा इंसान, आधा भेड़िया) में बदलने लगता है। कृति ने इसमें अनिका नाम की एक पशु चिकित्सक का किरदार निभाया है, जिसे इन रहस्यमयी घटनाओं के बारे में उससे कहीं ज्यादा पता है, जितना वह शुरू में बताती है।